भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2596 का उत्तर

वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ियों की उत्पादन लागत में वृद्धि

2596. श्री टी. एम. सेल्वागणपति:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वंदे भारत शयनयान डिब्बों के प्रोटोटाइप के डिब्बों के डिजाइन में परिवर्तन से उक्त रेलगाड़ियों की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है;

(ख) क्या रूसी परिवहन फर्म ट्रांसमैशहोल्डिंग और रेल विकास निगम के बीच संयुक्त उद्यम केआईएनईटी को डिब्बों में डिजाइन परिवर्तनों को शामिल करने के लिए कहा गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या रेलवे ने अगले 35 वर्षों के लिए 100 एल्युमीनियम से बनी हुई वंदे भारत ट्रेन सेटों के विनिर्माण और रखरखाव के लिए फ्रांसीसी इंजीनियरिंग कंपनी को दी गई 30,000 करोड़ रुपए की निविदा को रद्द कर दिया है; और

(ङ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा सुविधाओं और यात्री सुविधाओं के साथ पहली बार स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित अर्ध-उच्च गति वाली वंदे भारत रेलगाड़ियों की शुरूआत की है।

02 दिसंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल के बड़ी रेल लाइन विद्युतीकृत नेटवर्क पर 136 वंदे भारत गाड़ी सेवाएं परिचालित हैं।

वंदे भारत स्लीपर गाड़ियों की योजना लंबी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए बनाई गई है। भारतीय रेल द्वारा विनिर्मित की जाने वाली गाड़ियों के डिजाइन को अंतिम रूप दिया जा चुका है। वर्तमान में, 10 वंदे भारत स्लीपर गाड़ियां निर्माणाधीन हैं। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट का पहला प्रोटोटाइप तैयार हो चुका है। इसके अलावा, 50 वंदे भारत स्लीपर रेकों का उत्पादन सावारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै द्वारा शुरू किया गया है।

इसके अलावा, 200 वंदे भारत स्लीपर रेकों के विनिर्माण के लिए प्रौद्योगिकी भागीदारों को ठेका भी प्रदान कर दिया गया है। इस वंदे भारत स्लीपर रेकों का डिजाइन शुरू कर दिया गया है।

भारतीय रेल द्वारा वंदे भारत सहित सवारी डिब्बों का डिजाइन और विनिर्माण करना एक सतत् प्रक्रिया है और इसे परिचालनिक और यातायात की आवश्यकता के आधार पर किया जाता है।

*****

SK